राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर अनुमान में बढ़ोतरी की

अनुमान : देश की अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। वित्त वर्ष 2023-24 में देश की अर्थव्यवस्था के 7.3 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह दर 7.2 प्रतिशत थी। शुक्रवार को जारी एक सरकारी अनुमान में यह संभावना जताई गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने राष्ट्रीय आय के बारे में अपने पहले अग्रिम अनुमान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) यानी 2011-12 की स्थिर कीमतों पर जीडीपी 171.79 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जीडीपी के 160.06 लाख करोड़ रुपये रहने का अस्थायी अनुमान 31 मई 2023 को जारी किया गया था।

चालू वित्त वर्ष में देश की वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.2 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 296.58 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि 31 मई 2023 को जारी वर्ष 2022-23 के अस्थायी अनुमानों के मुताबिक जीडीपी 272.41 लाख करोड़ रुपये थी।

सुस्ती के अनुमान को पीछे छोड़ा : विशेषज्ञों का कहना था कि पहली तिमाही में तेजी वृद्धि के बावजूद अगली कुछ तिमाहियों में जीडीपी वृद्धि दर कुछ धीमी रहेगी, क्योंकि कमजोर मॉनसून का असर रहेगा। वहीं, लोकसभा चुनावों के करीब आने पर सरकारी पूंजीगत व्यय की गति में सुस्ती आ सकती है। लेकिन कमजोर मानसून के बावजूद दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में आर्थिक वृद्धि दर अनुमान से ज्यादा रही है। आरबीआई ने दूसरी तिमाही में 6.5 फीसदी और अन्य अर्थशास्त्रियों ने 6.7 फीसदी जीडीपी का अनुमान जताया था लेकिन वृद्धि दर इससे आगे निकलते हुए 7.6 फीसदी पर पहुंच गई। इसके बाद आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया गया है।

वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि अनुमान

संस्था	पहले	अब
आरबीआई	6.5	07
सीआईआई	6.5	6.8
मूडीज	6.7	6.7
नोमुरा	5.9	6.7
फिच	5.5	6.2
एसएंडपी	06	6.4

■ आंकड़े प्रतिशत में

पिछली तीन तिमाहियों का लेखा जोखा

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही	7.6%
अप्रैल-जून तिमाही	7.8%
जनवरी-मार्च तिमाही	6.1%

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा : यूएन

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार मजबूत घरेलू मांग तथा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मजबूती से भारत की वृद्धि दर 2024 में 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) 2024 रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई। इसमें कहा गया कि दक्षिण एशिया का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2024 में 5.2 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इससे भारत में मजबूत विस्तार का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा, जो दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया, मजबूत घरेलू मांग तथा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि के बीच भारत में वृद्धि दर 2024 में 6.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2023 के 6.3 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा कम है।